

LOK SABHA

Monday, November 30, 1964/Agrahayana 9, 1886 (Saka).

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER in the Chair]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

कैथोलिक-चर्च की यू.के.रिस्टिक कांग्रेस

+

- \* 252. { श्री प्रकाशवीर शास्त्री :  
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :  
श्री गुलशन :  
श्री हुकम चन्द कछवाय :  
श्री सु० सि० चौधरी :  
श्री राम हरख यादव :  
श्री विश्वनाथ पाण्डेय :  
श्री मुरली मनोहर :  
श्री श्यामलाल सराफ :

क्या बंदेशिक-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नवम्बर, 1964 में बम्बई में कैथोलिक चर्च की अन्तर्राष्ट्रीय यू.के.रिस्टिक कांग्रेस होने जा रही है ;

(ख) क्या भारत सरकार से इसके लिये किसी तरह की सहायता मांगी गई है :

(ग) क्या इस सम्बन्ध में भारत सरकार तथा पीप के बीच कोई पत्र व्यवहार हुआ है तथा यदि हां, तो क्या; और

1654 (Ai) LSD--I.

(घ) क्या उक्त सम्मेलन में विदेशों के भी कुछ प्रतिनिधि आ रहे हैं तथा यदि हां, तो कितने ?

बंदेशिक-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती लक्ष्मी मेनन) : (क) जी हां ।

(ख) बम्बई में यू.के.रिस्टिक कांग्रेस के प्रधान ने भारत सरकार से सुविधाएं मांगी थीं और यात्रियों के आने और कांग्रेस के दौरान बम्बई में उनके ठहरने की यथोचित सुविधाएं प्रदान कर दी गई हैं ।

(ग) जी नहीं ।

(घ) जी हां । यूरोप, अमरीका, अफ्रीका और एशिया के बहुत से देशों के करीब 7,000 यात्री इस कांग्रेस में भाग ले रहे हैं ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : अभी तीन चार दिन पहले मुझे जब प्रधान मन्त्री जी से मिलने का अवसर मिला, तो मैंने उनको इस कांग्रेस के सम्बन्ध में यह जानकारी दी थी कि रोम में एक समाचार प्रकाशित हुआ है, जिसमें कहा गया है कि हमें बड़ा दुख है कि भारतवर्ष की 44 करोड़ की आबादी में केवल 64 लाख कैथोलिक ईसाई हैं । तो क्या इसका अर्थ यह है कि इस कांग्रेस का उद्देश्य पारस्परिक विचार विनिमय न हो कर भारतवर्ष में किसी भी ढंग से अपने धार्मिक प्रचार को बढ़ाना है; यदि हां, तो क्या भारत सरकार नियोगी कमीशन की सिफारिशों और नागालैण्ड की घटनाओं को देखते हुए इस कांग्रेस के आयोजकों को इस प्रकार का परामर्श देगी कि वे इस प्रकार के व्यवहार को रोकें ?

प्रधान मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : माननीय सदस्य

ने ध्यान दिलाया था। उसके बारे में और पता लगाना होगा। यों तो कोई अपना मत या अपनी राय दे सकता है, लेकिन जहाँ तक मेरा खयाल है—और आशा है—कि यह कांग्रेस कन्वर्शन या धर्म परिवर्तन की किसी कार्यवाही की ओर नहीं जायेगी और न उसके बारे में कोई ऐसा प्रस्ताव या निश्चय करेगी।

**श्री प्रकाशबीर शास्त्री :** नियोगी कमीशन की रिपोर्ट और नागालैण्ड की घटनाओं के प्रकाश में क्या प्रधान मन्त्री उनको यह परामर्श देंगे कि जहाँ पर दुनिया के लोग इकट्ठे हो रहे हैं, वहाँ वे इस प्रकार के व्यवहार को रोकें ?

**अध्यक्ष महोदय :** माननीय सदस्य यह जानना चाहते हैं कि चूँकि पहले एक रिपोर्ट में यह कहा गया था कि क्रिस्टियन मिशनरी कुछ ऐसे काम करते रहे हैं, इसलिए क्या गवर्नमेंट उनको सलाह देगी कि आगे इस किस्म की कार्यवाहियाँ न की जायें।

**श्री लाल बहादुर शास्त्री :** मुझे उनसे सलाह करने या बातचीत करने का मौका तो है नहीं।

**श्री प्रकाशबीर शास्त्री :** इस कांग्रेस में सम्मिलित होने वाले ईसाइयों के लिए भोजन की जो व्यवस्था की गई है, क्या उस व्यवस्था में यह भी है कि प्रति दिन 3.5 टन या 100 मन गोमांस सप्लाई किया जायेगा ? क्या भारत सरकार इस प्रकार की कांफरेंसों का आयोजन करते समय आयोजकों को आश्वासन देती है कि हम अपने देश में गोमांस भी देंगे, यदि हाँ, तो इस देश के बहुमत की भावनाओं का निरादर करते हुए ऐसी व्यवस्था क्यों की गई है ?

**Shrimati Lakshmi Menon :** The Government are not responsible for any of the arrangements that are being made. Arrangements are made by the President of the Congress, Cardinal Gracias. What they were going to eat was not our concern.

**श्री प्रकाशबीर शास्त्री :** "टाइम्स आफ इण्डिया" का समाचार है कि गवर्नमेंट की ओर से व्यवस्था की गई है। विदेशों से आने वाले लोगों की कांफरेंस में गोमांस की व्यवस्था क्यों की गई है।

**अध्यक्ष महोदय :** उन लोगों को खाने को क्या मिलेगा और उसका इन्तजाम कौन करेगा, इसमें गवर्नमेंट नहीं आती है।

**श्री प्रकाशबीर शास्त्री :** यह व्यवस्था गवर्नमेंट की ओर से हो रही है।

**श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :** क्या श्रीमान्, पोप जी के साथ आने वाले अनेक देशों के पादरियों में वे पाद्रीगोत्र पादरी भी आ रहे हैं, जिन्होंने गोआ के राष्ट्रभक्त ईसाइयों पर बड़ा अत्याचार करवाया था और क्या उन को गोआ जाने की भी स्वीकृति दी जायेगी ?

**Shri Nath Pai :** Sir, may I rise on a point of order? Let us not use the privileged position in Parliament to say things which will do incalculable damage to the image of the country. I am not questioning the right of a Member of Parliament to ask all questions but I am afraid that we have to exercise some restraint in matters like this. I am not coming in anybody's way but I feel deeply concerned about the way questions are put.

**श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :** मेरे प्रश्न का उत्तर दिया जाये।

**Shri Hanumanthaiya :** I add my support to it.

**Mr. Speaker :** I agree with the hon. Member, Shri Nath Pai and Shri Hanumanthaiya. We have given this Congress hospitality and provided certain assistance as well. It is clear from the answer. Should we spoil all that we have done so far and give quite a different picture of the whole thing? I would also advise the Members to be careful in that res-

pect. If they have anything to say about this to the Ministry or the Prime Minister, they may do so in private but here in Parliament it should not be done in this manner. I would also advise them to exercise some restraint in that direction.

**Shri Hanumanthaiya:** I appeal to Shri Prakash Vir Shastri not to pursue the matter.

**श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :** अध्यक्ष महोदय, क्या मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं आयेगा ?

**अध्यक्ष महोदय :** मैं माननीय सदस्य को सलाह दूंगा कि वह इस बारे में जिद्द न करें ।

**श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :** मैं जिद्द नहीं करता, लेकिन मेरा प्रश्न वैधानिक है ।

**अध्यक्ष महोदय :** इसी लिए मैंने उसको रोका नहीं है, लेकिन हाउस की मर्जी है कि इस किस्म के सवाल न पूछे जायें ।

**श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :** मैं दूसरा प्रश्न पूछ लेता हूँ ।

**Shri E. Ramanathan Chettiar:** On a point of order. It is a relevant point which may help us here, because, inasmuch as some parties have gone to the Supreme Court to file a writ petition, I do not think you need allow any more supplementaries on this question.

**श्री यु० सि० चौधरी :** इस प्रश्न का उससे क्या ताल्लुक है ?

**Shri D. C. Sharma:** If the image of Italy has not been spoiled by the comments in a newspaper that there are only 64 lakhs of Roman Catholics in India and that the number of Roman Catholics should be increased, I do not understand how the image of India is going to be damaged, when our Government is doing everything

for them; and it is the function of democracy to bring to light things which are good as well as bad.

**Mr. Speaker:** The interests of the country are to be seen. I do not agree with the hon. Member there. I cannot agree.

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** मेरा निवेदन है कि दूसरे राष्ट्रों के जो लोग हमारे देश में आ रहे हैं, वे किसी राजनीतिक प्रतिनिधि के रूप में नहीं, बल्कि एक धर्म विशेष के प्रतिनिधि के रूप में आ रहे हैं । राजनीतिक प्रतिनिधियों पर तो ये सब बातें लागू हो सकती हैं, लेकिन किसी धर्म-विशेष के प्रतिनिधियों को कोई ब्वास मुविघा नहीं दी जा सकती है ।

**अध्यक्ष महोदय :** हमारा फ़र्ज है कि अगर किसी धर्म के प्रतिनिधि भी आयें, तो हम उनका स्वागत करें । इस सिलसिले में जो कुछ किया गया है, उस को जाया करने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए । हाउस की यही राय है—और इसी लिए मैंने भी मशवरा दिया है—कि इस बारे में इस तरह के सवाल न पूछे जायें ।

**Shrimati Renuka Ray:** On a point of order.

**Mr. Speaker:** There is no point of order at all in all these things that have been raised. I have also advised the Members.

**श्री यु० सि० चौधरी :** जिन सदस्यों ने अपने नाम दिये हैं, उनको सप्लीमेंटरीज पूछने की इजाजत तो दी जानी चाहिए ।

**Mr. Speaker:** When several Members stand up and say that they want to raise points of order, what can be done?

**श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :** चूंकि आपने मेरा पहला प्रश्न स्वीकार नहीं किया है, इसलिए मैं दूसरा प्रश्न पूछ लेता हूँ ।

**अध्यक्ष महोदय :** जिस माननीय सदस्य का सवाल स्वीकार न हुआ हो, उसका सवाल पूछने का हक जाता रहता है ।

**Shrimati Renuka Ray:** My point of order is that these questions regarding what type of food is being supplied to them etc., when such conferences even of a religious nature take place, are absolutely irrelevant, because such conferences even with religious leaders, have taken place in India previous to this, and I do not think there is any reason that such points can be raised at this stage.

**Mr. Speaker:** I have already advised the hon. Members. Where is the point of order?

**Shrimati Renuka Ray:** I think all that is out of order. My submission is that it should be ruled out of order as irrelevant.

**श्री यु० सि० चौधरी:** बाहर से आने वालों के प्रति सम्मान की भावना रखते हुए मैं इस बारे में कोई चर्चा नहीं करना चाहता हूँ कि देश की जनता और इस सदन के सदस्यों के दिलों में यह भावना है कि इस कांग्रेस में आने वालों को पूरा सम्मान दिया जाये, उनको खाने की सुविधा दी जाये, उनकी कोई आलोचना न हो। लेकिन नागालैण्ड तथा देश के अन्य हिस्सों में कृत्रिमिक ईसाइयों की राष्ट्र विरोधी हरकतों के कारण देश में जो विन्ता का वातावरण है, क्या माननीय प्रधान मन्त्री जी समझते हैं कि उसका कोई दूरगामी सम्बन्ध किसी प्रकार इस कांग्रेस से है ?

**अध्यक्ष महोदय:** इसका जवाब आ गया है।

**श्री यु० सि० चौधरी:** कहां आ गया है? यह तो सारे का सारा कन्फ्यूजन था। नागालैण्ड में जो बातें हो रही हैं, उनको दृष्टि में रखते हुए सरकार की ओर से उत्तर दिया जाना चाहिए।

**अध्यक्ष महोदय:** मैं और इजाजत नहीं दे सकता हूँ। यह मेरे बस की बात नहीं है।

**श्री यु० सि० चौधरी:** दूसरी बातों से देश का इम्पेज टूटता है, लेकिन मैंने जो प्रश्न पूछा है, उसका उत्तर तो दिया जाये।

आप की मर्जी है। इस तरह के सवाल का जो जवाब उन्होंने दिया मैं बिल्कुल उसके विपरीत प्रश्न पूछ रहा हूँ।

**अध्यक्ष महोदय:** अब आप बैठ जाइये। आप की मेहरबानी होगी। मैंने आप से कहा कि इससे ज्यादा पूछने की जरूरत नहीं है।

**श्री यु० सि० चौधरी:** मैं भी कहूंगा कि आप की मेहरबानी होगी अगर...

**अध्यक्ष महोदय:** मैंने आप से कहा कि अब आप बैठ जाइये।

**Shri Krishnapal Singh:** I quite agree that we.....

**Mr. Speaker:** Opinions are not to be expressed now. If he has any question to put he may put it and then I will decide whether I should allow it or not?

**Shri Krishnapal Singh:** Are we going to give an impression to the world that we have no principles to go by? Supposing such a conference was being held in a Muslim country, would they have allowed food to be served to which they object?

**Mr. Speaker:** This does not require any answer.

**Shri A. C. Guha:** If under the Constitution every religion has a right...

**Mr. Speaker:** He may put the question straightaway.

**Shri A. C. Guha:** If under the Constitution every religion has a right to preach its own faith and when there is a World Buddhist Conference at present being held in India, what is the harm in this Eucharistic Conference?

**Shrimati Lakshmi Menon:** The World Buddhist Conference is being held at present in Banaras.

**श्री यशपाल सिंह:** क्या सरकार यह बतला सकती है कि इसी कांग्रेस में यह प्रस्ताव पास किया गया है कि गवर्नमेंट आफ इंडिया की जो फैमिली प्लैनिंग के बारे में 55 करोड़

कपये की योजना है, अगर उस तरह से फैमिली प्लैनिंग किया गया तो रोमन कैथोलिक बिलीफ को मानने वाले इसके खिलाफ हड़ताल करेंगे, कम्प्लीट स्ट्राइक करेंगे।

**अध्यक्ष महोदय :** इसके लिये सरकार क्या कह सकती है।

**Shri Jaipal Singh:** Has Government any idea as to the amount of foreign exchange that would be earned as a result of this Eucharistic Congress?

**Shrimati Lakshmi Menon:** That depends upon the number of persons.

**Shri Kapur Singh:** Can this House have a broad idea of the extent of free education or other social services being rendered in this country by foreign Catholic Missions?

**Mr. Speaker:** That is a different question altogether.

**Shri Kapur Singh:** It is not a different question, Sir.

**Mr. Speaker:** In my opinion it is.

**Shri Kapur Singh:** We bow down to your decision, Sir.

**श्री जय प्रकाश नारायण का पूर्वी पाकिस्तान का दौरा**

+

\* 253. { श्री विभूति मिश्र :  
श्री का० ना० तिवारी :  
श्री शंकर लाल बोरवा :  
श्री गुलशन :  
श्री बिश्वनाथ पाण्डेय :

क्या बंदेशिक-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि श्री जय प्रकाश नारायण का विचार साम्प्रदायिक एकता बढ़ाने की दृष्टि से अपने कुछ मित्रों के साथ पूर्वी पाकिस्तान का दौरा करने का है ; और

(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

**बंदेशिक-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती लक्ष्मी मेनन) :** (क) जी हां।

(ख) यह दौरा गैर-सरकारी है और सरकार को इस पर कोई आपत्ति नहीं है।

**श्री विभूति मिश्र :** मैं जानना चाहता हूँ कि श्री जय प्रकाश नारायण जो वहाँ जाकर साम्प्रदायिक मेल मिलाप की बात करेंगे, तो क्या उन्होंने कोई अपना आइडिया बतलाया है कि उनकी क्या स्कीम है और वे क्या करेंगे।

**Shrimati Lakshmi Menon:** I said in the main answer that the Government has nothing to do with it.

**Mr. Speaker:** He wants to know whether he has conveyed any of his ideas as to what he is going to do there?

**प्रधान मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) :** जहाँ तक मुझे मालूम है, वह बिल्कुल पक्की बात तो नहीं, मगर कोहिमा में श्री जय प्रकाश जी ने एक इस तरह का बयान दिया है कि वह ईस्ट पाकिस्तान जाना स्थगित कर रहे हैं और वहाँ नहीं जा रहे हैं।

**श्री विभूति मिश्र :** अभी तो स्थगित कर रहे हैं लेकिन जायेंगे तो...

**अध्यक्ष महोदय :** हमारे अधिवेशन अभी भी होंगे और यह सवाल उन में हो सकता है।

**श्री विभूति मिश्र :** अभी तो स्थगित कर दिया है, यह अखबार में आया है, लेकिन जाने के पहले क्या उन्होंने सरकार को यह बतलाया है कि वे वहाँ जाकर किस योजना के अनुसार बात करेंगे ताकि हिन्दुस्तान और पाकिस्तान में साम्प्रदायिक मेल मिलाप हो सके।

**श्री लाल बहादुर शास्त्री :** बातचीत किसी योजना या प्लैन के अनुसार नहीं होती है। केवल बातचीत होती है।

**श्री का० ना० तिवारी :** अभी प्रधान मंत्रीजी ने बतलाया कि श्री जय प्रकाश नारायण ने कहा है